

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, धर्मशास्त्र, सत्र 12, असंप्रेषणीय विशेषताएँ, भाग 3

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन और ईश्वर के बारे में उनकी शिक्षा है। यह सत्र 12 है, असंप्रेषणीय गुण, भाग 3।

आइए प्रार्थना करें। दयालु पिता, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने अपने वचन में खुद को हमारे सामने प्रकट करना उचित समझा। हमें समझ, खुले दिल, इच्छुक आत्माएँ, धन्यवाद और प्रशंसा से भरे मुँह दें कि आप कौन हैं और वाचा और शपथ और आपके बेटे के खून से आप हमारे लिए कौन हैं, जिसके नाम पर हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

हम ईश्वर के गुणों का अध्ययन कर रहे हैं, विशेष रूप से उनके असंप्रेषणीय गुणों का, यानी उनके अनूठे गुणों का, जिनकी हममें बहुत कम समानता है।

ईश्वर सर्वज्ञ या सर्वज्ञ है, ईश्वर की सर्वज्ञता। सर्वज्ञ या सर्वज्ञ से हमारा मतलब है कि ईश्वर ज्ञान और समझ में असीम है। वह सब कुछ जानता है।

सर्वज्ञता अनिवार्य रूप से ईश्वर की अनंतता है जो उसके ज्ञान से जुड़ी हुई है। भजनकार ईश्वर की प्रशंसा करता है क्योंकि उसकी समझ अनंत है। भजन 147.5. हलल भजन स्तोत्र का समापन करते हैं।

भजन संहिता की प्रत्येक पुस्तक के अंत में एक स्तुति-गीत है, लेकिन अंतिम पाँच या छह भजन स्वयं एक स्तुति-गीत हैं, यदि आप चाहें तो एक विस्तारित स्तुति-गीत हैं, जो भजन संहिता की पाँचवीं पुस्तक को समाप्त करता है। भजन 147 परमेश्वर के गुणों से भरा हुआ है। हे यरूशलेम, प्रभु की स्तुति करो, पद 12।

हे सिव्योन, अपने परमेश्वर की स्तुति करो, क्योंकि वह तुम्हारे फाटकों की सलाखों को मजबूत करता है। वह तुम्हारे भीतर तुम्हारे बच्चों को आशीर्वाद देता है। वह तुम्हारी सीमाओं में शांति स्थापित करता है।

वह तुम्हें उत्तम से उत्तम गेहूँ से भर देता है। वह पृथ्वी पर अपना आदेश भेजता है। उसका वचन तेजी से दौड़ता है।

और उससे भी पहले, यहोवा की स्तुति करो, क्योंकि हमारे परमेश्वर की स्तुति गाना अच्छा है, क्योंकि यह सुखद है, और स्तुति का गीत उचित है। यहोवा यरूशलेम का निर्माण करता है। वह इस्राएल के बहिष्कृत लोगों को इकट्ठा करता है।

वह टूटे हुए दिलों को चंगा करता है और उनके घावों पर पट्टी बाँधता है। वह तारों की संख्या निर्धारित करता है। वह उन सभी को उनके नाम देता है।

हमारा प्रभु महान है, भजन 147:5, और सामर्थ्य में भरपूर है। उसकी समझ अथाह है। प्रभु दीनों को ऊँचा उठाता है।

वह दुष्टों को जमीन पर गिरा देता है। यशायाह कहता है कि परमेश्वर की समझ की कोई सीमा नहीं है, यशायाह 40 और आयत 28। हे याकूब, तू क्यों कहता है, यशायाह 40 की आयत 27, और हे इस्राएल, तू क्यों कहता है, मेरा मार्ग यहोवा से छिपा हुआ है, और मेरा परमेश्वर मेरे न्याय की उपेक्षा करता है? क्या तू नहीं जानता? क्या तूने नहीं सुना? यहोवा सनातन परमेश्वर है, जो पृथ्वी के छोर का सृष्टिकर्ता है।

वह कभी भी थका हुआ या थका हुआ नहीं होता। उसकी समझ अथाह है, और मैं ESV को प्राथमिकता देता हूँ। अपनी सृष्टि के बारे में परमेश्वर का ज्ञान व्यापक है, क्योंकि वह पृथ्वी के छोर तक देखता है और आकाश के नीचे सब कुछ देखता है, अय्यूब 28.24। उसका पूर्ण ज्ञान, अय्यूब 30:7, 16, स्वर्ग से सभी मनुष्यों और उनके कार्यों का निरीक्षण करना शामिल करता है।

भजन 33:13 से 15. यह एक शानदार भजन है। प्रभु स्वर्ग से नीचे देख रहे हैं।

वह सभी मनुष्यों को देखता है। जहाँ वह सिंहासन पर बैठा है, वहाँ से वह पृथ्वी के सभी निवासियों को देखता है। वह उन सभी के दिलों को आकार देता है और उनके सभी कार्यों को देखता है।

राजा अपनी विशाल सेना से नहीं बच सकता। योद्धा अपनी महान शक्ति से नहीं बच सकता। युद्ध का घोड़ा मुक्ति की झूठी उम्मीद है, और अपनी महान शक्ति से भी उसे बचाया नहीं जा सकता।

ईश्वर की छवियाँ। मैं ईश्वर की बाइबिल, धर्मशास्त्रीय तस्वीरों को शामिल करने की कोशिश करता हूँ, खास तौर पर उन तस्वीरों को नहीं जिनमें उन शब्दों का इस्तेमाल नहीं होता जिनकी हम जाँच कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, इन छवियों में सर्वज्ञता शब्द नहीं है, लेकिन वे दिखाती हैं कि ईश्वर के पास सारा ज्ञान है।

ईश्वर की छवियाँ जो उसके सर्वज्ञ होने से संबंधित हैं, जिसमें प्रथम और अंतिम भी शामिल हैं। वह प्रथम और अंतिम है, यशायाह 44:6 और 7. बुककीपर, भजन 139:16. वह शब्द का उपयोग नहीं करता है, लेकिन उसके पास अवधारणा है। और पॉटर, यशायाह 29:15 और 16.

बाइबल के अनुसार, परमेश्वर भूत, वर्तमान और भविष्य को जानता है। यशायाह में, परमेश्वर भविष्य की घटनाओं की भविष्यवाणी करने की अपनी क्षमता की पुष्टि करते हुए मूर्तियों के विरुद्ध अपने ईश्वरत्व का दावा करता है। यशायाह 46:9 और 10.

याद करो कि बहुत पहले क्या हुआ था। क्योंकि मैं ही परमेश्वर हूँ, और कोई दूसरा नहीं है। मैं ही परमेश्वर हूँ, और मेरे जैसा कोई नहीं है।

मैं शुरू से ही अंत की घोषणा करता हूँ और बहुत पहले से ही जो अभी तक नहीं हुआ है, कहता हूँ कि मेरी योजना पूरी होगी और मैं अपनी सारी इच्छा पूरी करूँगा। यह अक्सर भगवान द्वारा

मूर्तियों की अक्षमता का मज़ाक उड़ाने के संदर्भ में सेट किया जाता है जो यह जानने और करने में असमर्थ हैं कि भगवान क्या जानते और करते हैं। यशायाह 42.

मैं यहोवा हूँ, श्लोक 8. यशायाह 42 :8. मैं यहोवा हूँ, यही मेरा नाम है। मैं अपनी महिमा किसी और को नहीं देता, न ही अपनी प्रशंसा खुदी हुई मूर्तियों को देता हूँ। देखो, पिछली बातें हो चुकी हैं, और अब मैं नई बातें घोषित करता हूँ।

इससे पहले कि वे उत्पन्न हों, मैं तुम्हें उनके विषय में बताता हूँ। यशायाह 44. यशायाह 44:6 और 7. इस्राएल का राजा यहोवा और उसका छुड़ानेवाला, सेनाओं का यहोवा, यों कहता है।

मैं ही प्रथम हूँ और मैं ही अंतिम हूँ। मेरे अलावा कोई ऐसा ईश्वर नहीं जो मेरे जैसा हो। उसे इसकी घोषणा करनी चाहिए।

वह मेरे सामने घोषणा करे और उसे रखे क्योंकि मैंने एक प्राचीन जाति को नियुक्त किया है। वे बताएं कि क्या होने वाला है और क्या होगा। डरो मत, न ही भयभीत हो।

क्या मैंने तुम्हें पहले से ही नहीं बताया और घोषित नहीं किया है कि तुम मेरे गवाह हो? उस आयत का इस्तेमाल तथाकथित यहोवा के गवाहों द्वारा इस बात के प्रमाण के रूप में किया जाता है कि वे परमेश्वर के एकमात्र लोग हैं। ओह, अगर वे जानते कि बाइबल का अध्ययन उसके साहित्यिक और ऐतिहासिक संदर्भ में कैसे किया जाए। क्या मेरे अलावा कोई परमेश्वर है? कोई चट्टान नहीं है।

मैं किसी को नहीं जानता। जितने लोग मूर्तें गढ़ते हैं, वे सब व्यर्थ हैं, और जिन वस्तुओं से वे प्रसन्न होते हैं, उनसे कुछ लाभ नहीं होता। उनके साक्षी न तो देखते हैं, न जानते हैं, कहीं ऐसा न हो कि वे लज्जित हों।

कौन ईश्वर को गढ़ता है, या ऐसी मूर्ति गढ़ता है जो व्यर्थ है? देखो, उसके सब साथी लज्जित होंगे, और कारीगर तो केवल मनुष्य हैं। वे सब इकट्ठे हों। वे सब आगे बढ़कर खड़े हों।

वे भयभीत हो जाएंगे। वे एक साथ शर्मिंदा होंगे। परमेश्वर अपने नाम की महिमा महान परमेश्वर, यहोवा के रूप में कर रहा है, जो सब कुछ जानता है, जिसके पास सारी शक्ति है, जो भविष्य की भविष्यवाणी कर सकता है और अपने विधान से उसे पूरा कर सकता है, और इस संदर्भ में वह मूर्तियों और उनके निर्माताओं और उनके उपासकों को नष्ट कर रहा है।

लोहार एक काटने वाला औज़ार लेता है और उसे कोयले से चलाता है। वह उसे हथौड़ों से आकार देता है और उससे काम करता है, अपनी मज़बूत भुजा से काम करता है। उसे भूख लगती है और उसकी ताकत कम हो जाती है।

वह पानी नहीं पीता, और वह बेहोश हो जाता है। बढ़ई एक रेखा खींचता है। वह उस पर पेंसिल से निशान बनाता है।

वह इसे विमानों से आकार देता है और कम्पास से इसे चिह्नित करता है। वह इसे एक घर में रहने के लिए एक आदमी की सुंदरता के साथ एक आदमी की आकृति में आकार देता है। वह देवदारों को काटता है, या वह एक सरू का पेड़ या एक ओक चुनता है और उसे जंगल के पेड़ों के बीच मजबूत होने देता है।

वह देवदार का पेड़ लगाता है और उसे फिर से पोषित करता है। फिर, वह एक आदमी के लिए ईंधन बन जाता है। वह उसका एक हिस्सा लेता है और खुद को गर्म करता है।

वह आग जलाकर रोटी पकाता है। इसके अलावा, वह एक देवता बनाता है और उसकी पूजा करता है। वह एक मूर्ति बनाता है और उसके सामने गिरता है।

इसका आधा हिस्सा वह आग में जला देता है। बाकी आधे से वह मांस खाता है। उसे भूनता है और संतुष्ट हो जाता है।

इसके अलावा, वह खुद को गर्म करता है और कहता है, अहा, मैं गर्म हो गया हूँ। मैंने आग देखी है। और बाकी बची हुई आग को वह भगवान, अपनी मूर्ति बना लेता है और उसके आगे गिरकर उसकी पूजा करता है।

वह उससे प्रार्थना करता है और कहता है, मुझे छुड़ाओ, क्योंकि तुम मेरे परमेश्वर हो। वे न तो जानते हैं और न ही वे समझते हैं क्योंकि उसने उनकी आँखें बंद कर दी हैं ताकि वे देख न सकें और उनके हृदय बंद कर दिए हैं ताकि वे समझ न सकें। कोई भी विचार नहीं करता और न ही उनके पास यह कहने के लिए ज्ञान या समझ है कि इसका आधा हिस्सा मैंने आग में जला दिया।

मैंने उसके अंगारों पर रोटी भी पकाई। मैंने मांस भूनकर खाया है। क्या मैं उसके बचे हुए हिस्से को धिनौना बना दूँ? क्या मैं लकड़ी के टुकड़े के आगे झुक जाऊँ? वह राख खाता है। एक भ्रमित मन ने उसे भटका दिया है, और वह खुद को बचा नहीं सकता या कह नहीं सकता, क्या मेरे दाहिने हाथ में झूठ नहीं है? इसके विपरीत, हे याकूब और इस्राएल, इन बातों को याद रखो, क्योंकि तुम मेरे सेवक हो।

मैंने तुझे बनाया है। तू मेरा सेवक है। हे इस्राएल, मैं तुझे कभी नहीं भूलूंगा।

मैंने तेरे अपराधों को बादल के समान और तेरे पापों को कोहरे के समान मिटा दिया है। मेरे पास लौट आ, क्योंकि मैंने तुझे छुड़ा लिया है। यशायाह 44 एक विस्तृत पाठ है जो न केवल यह दर्शाता है कि परमेश्वर सब कुछ जानता है, बल्कि यह भी कि उसका ज्ञान मूर्तियों की अज्ञानता और उनके निर्माताओं और उपासकों की आध्यात्मिक गरीबी के विपरीत देखा जाना चाहिए।

परमेश्वर सर्वज्ञ विधि निर्माता और न्यायी है और कोई भी प्राणी उससे छिपा नहीं है, बल्कि सभी वस्तुएँ उसकी आँखों के सामने खुली और बेपर्दा हैं, जिसे हमें हिसाब देना है, इब्रानियों 4:16। संदर्भ में, परमेश्वर जंगल में इस्राएलियों के अविश्वास और अवज्ञा को जानता था और वह जानता है कि उन कथित इब्रानी ईसाइयों के दिलों में क्या छिपा है जिनके लिए प्रभु ने इब्रानियों को लिखा है और उन्हें सावधान रहना चाहिए और अपने दिलों में झाँक कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि

वहाँ कोई अविश्वास या अवज्ञा छिपी हुई न हो जो मसीह के माध्यम से जीवित परमेश्वर से दूर होकर यहूदी धर्म की ओर लौटने में प्रकट होगी जो कभी परमेश्वर का एकमात्र सच्चा धर्म था लेकिन अब यीशु को अस्वीकार करने में, यह एक झूठा धर्म है। परमेश्वर की आँखें, “हर जगह, दुष्टों और भले लोगों को देखती रहती हैं” नीतिवचन 15:3। वह केवल बाहरी कार्यों को नहीं देखता है, उद्धरण, क्योंकि प्रभु हर दिल की जाँच करता है और हर विचार के इरादे को समझता है, 1 इतिहास 28:9। पापियों के लिए यह बुरी खबर है क्योंकि हृदय सब वस्तुओं से अधिक धोखा देनेवाला है, और उसका कोई इलाज नहीं है। वह हृदय जिसे यहोवा जाँचता और परखता है, यिर्मयाह 17:9 और 10.

मन तो सब वस्तुओं से अधिक धोखा देनेवाला और दुष्ट होता है। इसे कौन जान सकता है? अगली आयत, मैं, प्रभु, हृदयों को परखता हूँ। वह यह नहीं कह रहा है कि यह अज्ञात है; वह कह रहा है कि यह उन दुष्ट मनुष्यों के लिए अज्ञात है जो स्वयं को तर्कसंगत बनाते और धोखा देते हैं, लेकिन प्रभु हमारे हृदयों को जानता है, क्योंकि उसके सामने सब कुछ खुला और नंगा है, इब्रानियों 4:13। लेकिन यह परमेश्वर के लोगों के लिए परिवर्तनकारी भी हो सकता है, परमेश्वर की सर्वज्ञता। यह पापियों के लिए बुरी खबर है, लेकिन यह उसके लोगों के लिए परिवर्तनकारी खुशखबरी हो सकती है, क्योंकि हमारे हृदय, विचार, दृष्टि और कार्यों के बारे में परमेश्वर का पूर्ण ज्ञान हमें पश्चात्ताप की ओर ले जा सकता है, भजन संहिता 51:4। स्वीकारोक्ति का एक बड़ा भजन, क्योंकि मैं जानता हूँ कि मेरा अपराध और मेरा पाप सदैव मेरी दृष्टि में रहता है।

ऐतिहासिक, भजन का शीर्षक दाऊद के व्यभिचार और हत्या के महान पापों की बात करता है। तेरे ही विरुद्ध मैंने पाप किया है। नहीं, उसने ऊरिय्याह के विरुद्ध पाप किया है।

उसने उसे मरवा दिया। उसने बतशेबा के विरुद्ध पाप किया, जब वह किसी दूसरे आदमी की पत्नी थी। लेकिन प्रभु ऐसा नहीं करता। दाऊद इस बात से इनकार नहीं कर रहा है कि उसने उरीया और बतशेबा के विरुद्ध पाप किया।

वह स्वीकार कर रहा है कि आखिरकार सभी पाप परमेश्वर के विरुद्ध पाप हैं। तुम्हारे विरुद्ध और केवल तुम्हारे विरुद्ध मैंने पाप किया है और वही किया है जो तुम्हारी दृष्टि और इंद्रियों में बुरा है और अब मैं स्वीकार करता हूँ ताकि तुम अपने शब्दों में न्यायसंगत और अपने निर्णय में निर्दोष हो सको। हमारे हृदय, विचारों, शब्दों और कर्मों के बारे में परमेश्वर का ज्ञान हमें पश्चात्ताप की ओर ले जा सकता है।

परमेश्वर के असीम ज्ञान को याद रखना हमें यह भी आश्चस्त कर सकता है कि वह देखता है, सुनता है, जानता है, परवाह करता है और अपने लोगों के लिए कार्य करता है। निर्गमन 3:7 से 10 इसका एक बढ़िया उदाहरण है। इस्राएली पीढ़ियों से गुलामी में तड़प रहे थे और फिर हम पढ़ते हैं, हे प्रभु, मैंने निश्चय ही मिस्र में रहने वाले अपने लोगों के कष्टों को देखा है और उनके काम करने वालों के कारण उनकी दुहाई सुनी है।

मैं उनके दुखों को जानता हूँ, और मैं उन्हें मिस्रियों के हाथ से छुड़ाने के लिए नीचे आया हूँ ताकि उन्हें उस देश से निकालकर एक अच्छे और चौड़े देश में ले जाऊँ, एक ऐसा देश जिसमें दूध और

मधु की धाराएं बहती हैं, जो कनानियों और अन्य लोगों के स्थान पर है और अब देख, इस्राएल के लोगों की दोहाई मेरे कान तक पहुंची है और मैंने वह अत्याचार भी देखा है जिसके साथ मिस्रियों ने उन पर अत्याचार किया था। हे मूसा, आ; मैं तुझे फिरौन के पास भेजता हूँ कि तू मेरी प्रजा, इस्राएल के बच्चों को मिस्र से निकाल ले आए। पवित्रशास्त्र सिखाता है कि छिपी हुई बातें हैं, दानियेल 2:22, जो केवल सर्वज्ञ प्रभु से संबंधित हैं, जिनमें से कुछ को वह प्रकट करता है ताकि हम उसे जान सकें और उसकी इच्छा पूरी कर सकें, व्यवस्थाविवरण 29:29। सबसे महत्वपूर्ण बात, इसमें सुसमाचार में उसके प्रेरितों के माध्यम से ज्ञात एक रहस्य में परमेश्वर की छिपी हुई बुद्धि शामिल है।

यह ज्ञान, जो प्रकाशन के अलावा अज्ञात है, क्रूस पर चढ़ाए गए मसीह से संबंधित है, 1 कुरिन्थियों अध्याय 2। जैसा कि पौलुस यहूदियों और अन्यजातियों के साथ परमेश्वर के अनुग्रहपूर्ण व्यवहार के चमत्कार पर विचार करता है, वह कहता है, ओह परमेश्वर के ज्ञान और बुद्धि के धन की गहराई! उसके विचार कितने अथाह और उसके मार्ग कितने अगम हैं! क्योंकि जिसने प्रभु के मन को जाना है, वह यशायाह 40 को उद्धृत कर रहा है, या जो उसका सलाहकार रहा है, रोमियों 11:33 और 34। एक बार फिर, हम देहधारी मसीह में परमेश्वर के इन गुणों में से कुछ को प्रमाणित होते हुए देख सकते हैं। यीशु को भी अनंत ज्ञान के साथ दर्शाया गया है, उद्धरण, उसके पास बुद्धि और ज्ञान के सभी खजाने छिपे हुए हैं, कुलुस्सियों 2:3। हमारे जैसे, उसके पहले शिष्य कभी-कभी सीखने में धीमे होते हैं

हो सकता है कि वे आयतें हमारी ज़बान पर न हों, इसलिए आइए हम उन पर नज़र डालें। यूहन्ना 16:29 और 30. शिष्य उस दिन की प्रतीक्षा कर रहे थे जब यीशु बिना दृष्टान्तों और बिना गूढ़ बातों के सीधे-सादे भाषण में बात करेंगे, और वे यूहन्ना 16:29 में कहते हैं, आह, अब आप स्पष्ट रूप से बोल रहे हैं और आलंकारिक भाषा का उपयोग नहीं कर रहे हैं।

अब हम जानते हैं कि तू सब कुछ जानता है और तुझे किसी से पूछने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए हम विश्वास करते हैं कि तू परमेश्वर से आया है। पतरस, यूहन्ना 21.

पतरस ने प्रभु के यीशु के साथ व्यवहार, यूहन्ना के साथ व्यवहार के बारे में पूछा है। क्या पतरस थोड़ा ईर्ष्यालु हो सकता है? शायद हो। किसी भी मामले में, यीशु उसे उसकी जगह पर रखता है।

पतरस ने तीन बार मसीह को अस्वीकार किया था। यीशु पतरस को कठिन पश्चाताप के दौर से गुज़ारते हैं, जिससे वह तीन बार स्वीकारोक्ति करता है, जो उसके तीन बार इनकार के अनुरूप है। शमौन, यूहन्ना का पुत्र, यूहन्ना 21:15, क्या तू इनसे ज़्यादा मुझसे प्रेम करता है? हाँ, प्रभु, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रेम करता हूँ।

यीशु ने कहा, मेरी भेड़ों को चराओ। दूसरी बार, शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो? पतरस ने कहा, हाँ, प्रभु, तुम जानते हो कि मैं तुमसे प्रेम करता हूँ। उसने कहा, मेरी भेड़ों की देखभाल करो।

उसने उससे तीसरी बार कहा। और यही बात पतरस को दुखी करती है, यूनानी क्रियाओं में बदलाव नहीं। लेकिन तीसरी बार पतरस को तीन बार यह कहते हुए याद आता है, मैं उस आदमी को नहीं जानता।

मैं नासरत के यीशु को नहीं जानता। शमौन, यूहन्ना का पुत्र, क्या तू मुझसे प्रेम करता है? पतरस दुखी हुआ क्योंकि उसने उससे तीसरी बार पूछा, क्या तू मुझसे प्रेम करता है? उसने उससे कहा, प्रभु, तू तो सब कुछ जानता है। यह स्वीकारोक्ति है।

तुम जानते हो कि मैं तुमसे प्यार करता हूँ। यीशु ने उससे कहा, मेरी भेड़ों को चराओ। तो यहाँ फिर से, हम परमेश्वर के एक गुण को परमेश्वर के देहधारी पुत्र के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए देखते हैं।

परमेश्वर की सर्वज्ञता हमें सांत्वना देती है। क्योंकि वह हमारे जीवन का विवरण जानता है। लूका 12:7. वह हमारे सिर के बालों आदि को जानता है।

वह जानता है कि हमें क्या चाहिए, इससे पहले कि हम उससे कुछ माँगें। मत्ती 6:8. हमारा परमेश्वर न केवल सर्वशक्तिमान और सर्वज्ञ है। वह हर जगह मौजूद है।

वह शाश्वत भी है। शाश्वत से हमारा मतलब है कि जीवित और सच्चा परमेश्वर समय का स्वामी है। समय के संबंध में वह अनंत है।

वास्तव में, ईश्वर समय से पहले अस्तित्व में है। समय की भी शुरुआत होती है, लेकिन ईश्वर की नहीं। समय को ईश्वर ने बाकी ब्रह्मांड के साथ मिलकर बनाया था।

ईश्वर समय से परे है और स्वेच्छा से उसमें प्रवेश करता है ताकि हम जो उसमें रहते हैं, उनसे संबंध बना सके। दोनों नियम ईश्वर को यह गुण प्रदान करते हैं। एक भजन के लेखक मूसा ने भजन 90 में कहा है, और मैं इसे फिर से पढ़ने जा रहा हूँ क्योंकि यह बहुत सुंदर है, और यह ईश्वर की अनंतता से संबंधित सबसे महत्वपूर्ण प्रमाण है।

अनंत काल से अनंत काल तक। परमेश्वर के सेवक मूसा की प्रार्थना। भजन का शीर्षक।

हे प्रभु, आप सभी पीढ़ियों में हमारे निवास स्थान रहे हैं। पहाड़ों के बनने से पहले, या जब भी आपने पृथ्वी और दुनिया का निर्माण किया था, तब से लेकर अनंत काल तक, आप ईश्वर हैं। आप मनुष्य को मिट्टी में मिला देते हैं और कहते हैं, हे मनुष्य के बच्चों, लौट आओ, तुम्हारी दृष्टि में एक हजार साल के लिए, या कल की तरह जब वह बीत गया हो, या रात के एक पहर की तरह।

आप उन्हें बाढ़ की तरह बहा ले जाते हैं। वे एक सपने की तरह हैं, घास की तरह जो सुबह में नई हो जाती है। सुबह में, यह खिलता है और नया हो जाता है।

शाम को यह मुरझा जाता है और सूख जाता है, क्योंकि हम तेरे क्रोध के कारण नष्ट हो गए हैं। तेरे क्रोध से हम व्याकुल हो गए हैं।

तूने हमारे अधर्म को अपने सामने रख दिया है, हमारे गुप्त पापों को अपनी उपस्थिति के प्रकाश में रख दिया है। क्योंकि हमारे सारे दिन तेरे क्रोध में बीत जाते हैं। हम अपने वर्षों को आह भरकर समाप्त कर देते हैं।

हमारे जीवन के वर्ष अनंत नहीं हैं, 70 वर्ष हैं, या ताकत के कारण 80 वर्ष भी हैं। फिर भी उनकी अवधि केवल परिश्रम और परेशानी है। वे जल्दी ही बीत जाते हैं, और हम उड़ जाते हैं।

तेरे क्रोध की शक्ति और तेरे क्रोध को कौन समझता है, तेरे भय के अनुसार? इसलिए हमें अपनी अनंतता और हमारे दिनों की अल्पता के प्रकाश में सिखा, कि हम अपने दिनों की गिनती करें, ताकि हम बुद्धिमान हृदय प्राप्त कर सकें। हे प्रभु, कब तक लौटोगे? अपने सेवकों पर दया करो। हमें सुबह-सुबह अपने दृढ़ प्रेम से तृप्त करो ताकि हम अपने सारे दिन आनन्दित और प्रसन्न रहें।

जितने दिन तूने हमें दुःख दिया है, और जितने वर्ष हम ने दुःख देखा है, उतने दिन तक हमें आनन्दित कर। अपने काम अपने दासों पर और अपनी महिमामयी सामर्थ्य उनके बच्चों पर प्रगट कर। हमारे परमेश्वर यहोवा की कृपा हम पर बनी रहे, और हमारे हाथों के काम को दृढ़ कर।

हाँ, हमारे हाथों के काम को स्थापित करो। जैसा कि हमने देखा, 1 तीमुथियुस 1:17 में पौलुस ने प्रशंसा में जोर से कहा। अब राजा, सनातन, अमर, अदृश्य, एकमात्र परमेश्वर, युगानुयुग आदर और महिमा पाता रहे।

आमीन। शाश्वत राजा के लिए। रहस्योद्घाटन बताता है, उद्घरण, मैं अल्फा और ओमेगा हूँ।

प्रकाशितवाक्य 1:8, प्रभु परमेश्वर कहता है, जो है, जो था, और जो आनेवाला है, सर्वशक्तिमान। परमेश्वर की छवियाँ जो उसके शाश्वत होने से संबंधित हैं, उनमें पहला और अंतिम शामिल है, जिसे हमने पहले यशायाह 44:6 और 7 से पढ़ा है। मैं पहला हूँ, मैं अंतिम हूँ। इसका अर्थ यह है कि मैं पहला हूँ; मुझसे पहले कोई नहीं है।

मैं अंतिम हूँ, मेरे बाद कोई नहीं है। दूसरे शब्दों में, मैं शाश्वत हूँ। शास्त्र सिखाता है कि परमेश्वर समय पर प्रभु है और उससे परे खड़ा है।

वह समय में फँसा नहीं है, बल्कि वह इसे नियंत्रित करता है। भजन 90, पद 4, 2 पतरस 3:8, तुम्हारी दृष्टि में एक हजार वर्ष एक दिन के समान हैं। फिर भी अपने समयबद्ध प्राणियों के रूप में हमसे संबंध बनाने की इच्छा रखते हुए, परमेश्वर भी समय में प्रवेश करता है ताकि वह सृष्टि के संबंध में पहले और बाद के संबंधों का अनुभव कर सके।

उत्पत्ति 1:1 क्योंकि सृष्टि शाश्वत नहीं है। सृष्टि हमेशा से अस्तित्व में नहीं थी। परमेश्वर शाश्वत है, उसकी सृष्टि शाश्वत नहीं है।

तो, जो ईश्वर समय से परे है और जो समय का निर्माण करता है, वह भी समय से संबंधित है क्योंकि उसने वास्तविकता का अनुभव किया है, मुझे लगता है कि यह पवित्र त्रिमूर्ति ही होगी,

सृष्टि से पहले, उसने सृष्टि की, और फिर सृष्टि के बाद उसने वास्तविकता का अनुभव किया। हम उसे एक अस्थायी ईश्वर नहीं बना रहे हैं, हम उसे समय में फंसे देवता तक सीमित नहीं कर रहे हैं। हम कह रहे हैं कि वह समय का स्वामी है और फिर भी वह वास्तव में समय से संबंधित होना चुनता है।

परमेश्वर ने हमारे उद्धार की योजना अतीत के अनंत काल में भी बनाई है, लेकिन इसे पूरा करता है और इसे स्थान और समय में लागू करता है। उद्धार ऐतिहासिक है। परमेश्वर ने अनंत काल में बचाने की योजना बनाई, लेकिन उसने अनंत काल में नहीं बचाया; उसने इस्राएलियों को बलिदान की व्यवस्था देकर समय और स्थान में बचाया।

लैव्यव्यवस्था के पहले छह अध्याय उसके लोगों को पापों की क्षमा का आनंद लेने का मार्ग दिखाते हैं, विशेष रूप से लैव्यव्यवस्था 16, प्रायश्चित का दिन, और वे सभी जो प्रभु यीशु मसीह में इतिहास में परमेश्वर के कार्य की प्रतीक्षा करते हैं, जो एक शिशु के रूप में पैदा हुए, बड़े हुए, एक पाप रहित जीवन जिया, पापियों के स्थान पर मरे, तीसरे दिन फिर से जी उठे, पिता के पास वापस लौटे, इत्यादि, और जो फिर से आएंगे। उद्धार ऐतिहासिक है, क्योंकि परमेश्वर इतिहास में और इस प्रकार समय में बचाता है। परमेश्वर का पुत्र हमेशा देहधारी नहीं था, बल्कि एक समय पर मनुष्य बन गया।

इस प्रकार, पूर्व-अवतार शब्द, या लोगो, प्रकाश, या फॉस, पुत्र, या यूयोस, ने समय में अवतार का अनुभव किया। और हम फिर कभी वही नहीं होंगे क्योंकि अवतार स्थायी है, जैसा कि इब्रानियों ने हमारे लिए प्रदर्शित किया है। परमेश्वर के दाहिने हाथ पर एक मनुष्य है, कभी भी एक साधारण मनुष्य नहीं, बल्कि ईश्वर-मनुष्य।

यीशु समय में रहते हैं, समय में क्रूस पर मरते हैं, समय में मृतकों में से जी उठते हैं, समय में स्वर्गारोहण करते हैं, समय में शासन करते हैं, और समय में वापस आएंगे। आत्मा भी समय में हमारे साथ है, हमें दोषी ठहराती है, हमें आकर्षित करती है, और हमारे धर्मांतरण के समय हमें मसीह से जोड़ती है, जो कि, आपने अनुमान लगाया होगा, समय में होता है। इसलिए, ईश्वर समय से संबंधित है।

ईश्वर के अंतरिक्ष से संबंध की तुलना मददगार हो सकती है। ईश्वर अंतरिक्ष के संबंध में पारलौकिक और आसन्न दोनों है। यानी, वह अंतरिक्ष से परे भी है और इसके हर बिंदु पर मौजूद भी है।

हम कह सकते हैं कि वह समय के संदर्भ में पारलौकिक और आसन्न दोनों है। इसके निर्माता के रूप में, वह समय के संदर्भ में पारलौकिक है। वह समय से बाहर है और उसके भीतर फंसा हुआ नहीं है।

लेकिन वह समय के संबंध में भी आसन्न है। वह वास्तव में हमें प्यार करने और बचाने में इससे संबंधित है। इवेंजेलिकल इस बात पर बहस करते हैं कि क्या इसका मतलब यह है कि ईश्वर कालातीत है या वह शाश्वत है।

यह वह शब्दावली है जिसका उपयोग धर्म के दार्शनिक और धर्मशास्त्री करते हैं जो दार्शनिकों की बात सुनते हैं। कालातीत दृष्टिकोण यह मानता है कि ईश्वर अनंत काल तक समय से परे अनंत वर्तमान में रहता है। शाश्वत दृष्टिकोण यह मानता है कि ईश्वर अनंत काल तक, पीछे और आगे, सभी समय में विद्यमान रहता है।

पहला कहता है कि वह कालातीत रूप से अनंत है, और दूसरा कहता है कि वह समय के हिसाब से अनंत है। संक्षिप्त चर्चा के लिए, रोनाल्ड नैश, *द कॉन्सेप्ट ऑफ़ गॉड एंड एक्सप्लोरेशन ऑफ़ कंटेम्प러리 डिफिकल्टीज़ विद द एट्रिब्यूट्स ऑफ़ गॉड*, पृष्ठ 73 से 83 देखें। ईश्वरीय कालातीतता के बचाव के लिए, पॉल हेल्म, *इटरनल गॉड*, ए स्टडी ऑफ़ गॉड विदाउट टाइम, दूसरा संस्करण देखें।

हेल्म स्पष्ट रूप से अल्पमत में हैं। शाश्वत दृष्टिकोण के बचाव के लिए, जॉन फीनबर्ग, नो वन लाइक हिम, पृष्ठ 375 से 436 देखें। मैं यहाँ कोई आधिकारिक प्रतिबद्धता नहीं करूँगा।

मुझे ईश्वर की श्रेष्ठता और स्थान के संबंध में श्रेष्ठता की तुलना दीजिए, और यह कि ईश्वर समय का स्वामी है और उसमें फंसा हुआ नहीं है, फिर भी वास्तव में उससे संबंधित है, और मैं खुश हूँ, और मैं मूसा द्वारा ईश्वर की अनंतता की पुष्टि करने से पहले बहस सुनने के लिए तैयार हूँ। मैं दोहराना चाहता हूँ, इसके निर्माता के रूप में, ईश्वर समय से बाहर है और इसके भीतर फंसा हुआ नहीं है। वह एक अस्थायी प्राणी नहीं है, लेकिन वह समय के संबंध में आसन्न भी है।

वह वास्तव में हमें प्यार करने, बचाने और हमें सुरक्षित रखने में इससे संबंधित है। मूसा द्वारा परमेश्वर की अनंतता की पुष्टि करने से पहले, वह कहता है, हे प्रभु, आप हर पीढ़ी में हमारी शरण रहे हैं, भजन 90, पद 1 में। हालाँकि हमारा जीवन क्षणभंगुर है और पाप से घिरा हुआ है, भजन 90, पद 3 से 11, परमेश्वर हमारा रक्षक और रक्षक है। इसलिए, मूसा बाद में उसी भजन 90 के पद 12 में प्रार्थना करता है, हमें अपने दिनों को ध्यान से गिनना सिखाएँ ताकि हम अपने दिलों में बुद्धि विकसित कर सकें, पद 12।

हालाँकि युवा भी थक जाते हैं, लेकिन सनातन परमेश्वर थकता नहीं, बल्कि कमज़ोर लोगों को ताकत देता है, यशायाह 40:28 से 30। कुछ ऐसे अंश हैं जो परमेश्वर के गुणों के लिए बहुत ही आधारभूत हैं। यह उनमें से एक है।

यशायाह उन इस्राएलियों से कहता है जो उनके प्रति उसकी देखभाल पर संदेह करते हैं, प्रभु शाश्वत परमेश्वर है, वह पृथ्वी के छोर का निर्माता है। वह कभी भी थका हुआ या थका हुआ नहीं होता। उसकी समझ अथाह है।

वास्तव में, सर्वशक्तिमान ईश्वर जो पृथ्वी के घेरे के ऊपर बैठता है, जो सितारों का नाम रखता है, जानता है कि मनुष्य कमज़ोर है, और वह अपने लोगों को सशक्त बनाता है। वह कमज़ोर को शक्ति देता है, और जो कमज़ोर है, उसे वह शक्ति देता है। यहाँ तक कि युवा भी कमज़ोर और थके हुए हो जाते हैं, और युवा थक कर गिर जाते हैं।

मैंने अल्ट्रा-मैराथन धावकों के बारे में सुना है जो एक सप्ताह में सैकड़ों मील दौड़ते हैं, विशाल दौड़ की तैयारी करते हैं, लेकिन वे हजार या दस हजार मील की दौड़ नहीं लगाते। यह असंभव है। नहीं, यहाँ तक कि शानदार ढंग से प्रशिक्षित एथलीट भी हमेशा नहीं दौड़ सकते।

युवा भी थक जाएंगे और थक जाएंगे, और जवान थक कर गिर पड़ेंगे। लेकिन जो लोग यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करेंगे। वे उकाबों के समान पंख फैलाकर उड़ेंगे।

वे दौड़ेंगे और थकेंगे नहीं। वे चलेंगे और थकेंगे नहीं। सर्वशक्तिमान, पारलौकिक ईश्वर जो पृथ्वी के घेरे के ऊपर विराजमान है, और जिसकी दृष्टि में इसके मानव निवासी टिड्डों के समान हैं, यशायाह 40 कहता है, वही ईश्वर है जो मेमनों को अपनी बाहों में थामे रहता है, जो बच्चों के साथ कोमल व्यवहार करता है, ताकि वे गर्भपात न करें।

वह सर्वोत्कृष्ट है, और वह आसन्न है। वह सर्वशक्तिमान है। वह शाश्वत है, और वह अपने गुणों का उपयोग करता है।

वह अपनी सिद्धताओं को काम पर लगाता है, अपने लोगों को सशक्त बनाता है जो थक जाते हैं, चाहे वे किसी भी स्थिति या उम्र में हों। हम भविष्य का सामना अनन्त परमेश्वर, रोमियों 16:26 में विश्वास के साथ करते हैं, जो एक साथ वास करता है, अनंत काल तक वास करता है, और हमारे भीतर वास करता है। हमारे आगे जो है वह है परमेश्वर की अपरिवर्तनीयता, उसकी अपरिवर्तनीयता का अध्ययन, और फिर एक गुण जिसे अक्सर अवर्णनीय गुणों के तहत उपेक्षित किया जाता है वह है परमेश्वर की महानता।

तो, हमारे अगले व्याख्यान में, हम उन पर चर्चा करेंगे, और हम परमेश्वर के संचार योग्य गुणों की सूची बनाना शुरू करेंगे। हमारा परमेश्वर व्यक्तिगत, संप्रभु, बुद्धिमान, सत्यनिष्ठ, विश्वासयोग्य, पवित्र, धर्मी या न्यायी, प्रेमपूर्ण, अनुग्रहशील, दयालु, अच्छा है, और इसका अर्थ है उदार, धैर्यवान या सहनशील, और महिमामय। प्रभु की इच्छा से, हम धर्मशास्त्र के अपने अध्ययन को जारी रखते हुए ऐसा करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन और ईश्वर के बारे में उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 12, असंप्रेषणीय गुण, भाग तीन है।